| 19 | द्राडं स्यात्सान्हसं द्मः ॥ ७३६ ॥ | |
|--|--|-------|
| 20 | प्राभृतं ठीकनं लच्चात्काचः कीशलिकामिषे। | |
| 21 | उपाचारः प्रदानं दा कारो याक्यायने म्रपि ॥ ७३७ ॥ | |
| 22 | मायोपेत्तेन्द्रतालानि तुद्रोपाया उमे त्रयः। | |
| 23 | मृगयात्ताः स्त्रियः पानं वाकपारुष्यार्यद्वषणो ॥ ७३८ ॥ | |
| 24 | द्राडपारुष्यमित्येद्वेयं व्यसनसप्तकम्। | |
| 25 | पौर्षं विक्रमः शौर्षं शौएडीर्यं च पराक्रमः ॥ ७३६ ॥ | |
| 26 | यत्कोषद्गाउतं तेतः स प्रभावः प्रतापवत् । | |
| 27 | भिया धर्मार्थकामैश्च परीता या तु सोपधा ॥ ७४० ॥ | |
| 28 | तदात्वाधषडचीणं यतृतीयाधगोचरः। | |
| 29 | र्वस्यालोचनं मन्त्रो | |
| 30 | म विश्व मा जिल्ला स्टब्स्नमुपहरम् ॥ ७४१ ॥ | |
| 31 | विविक्तवित्रनैकात्तिःशलाकािन केवलम्। | |
| 32 | गुक्रो रक्स्यं । मिष्ट अवक्री कार्य विकास कार्य है । स्मार | 200 |
| 33 | न्यायस्तु देश्रद्वपं समञ्जसम् ॥ ७४२ ॥ जिल्लाम् । | de la |
| 34 | कल्पाभेषी नयो । उन्मिनि हिम्स्नि | |
| 1 | 9. Offene Gewalt (3 W.). — 20. 21. Geschenk (12 W.). — 22 | 654 |
| Die drei kleineren Mittel (3 Arten von Kriegslist) 23. 24. Jagd, | | |
| Würfelspiel, Hurerei, Trunk, harte Rede, Verletzung fremden Eigen- | | |
| thums und grausames Strafen sind die 7 zu meidenden Laster | | |
| 25. Tapferkeit (5 W.) 26. Ansehen, welches aus Reichthum und | | |
| Macht entspringt. — 27. Erwägung, wobei Furcht, Recht, Nutzen | | |
| und Annehmlichkeit in Betracht kommen. — 28. Berathschlagung zu | | |

Zweien. — 29. Geheime Berathung. — 30. 31. Geheim (8 W.). —

32. Geheimniss (2 W.). - 33. 34. Schicklichkeit, Zweckmässigkeit

Sieben verschiedene Heeresaltheilungen, von denen jede p.(.Wold)